

फर्द अहकाम

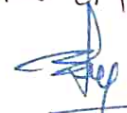
नूखा बंनम इमानअली वरुण

विनाम न्यायालय

उपखण्ड अधिकारी जयपुराजमगर

केस संख्या

१६/२०२३

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	५/३/२५	<p>पत्रावली पेश हुई। १.०.१७. मन्त्र २१७ के अन्तर्गत पत्रावली पूर्वानुसार वास्तु तस्वीर/जवाब दिनांक ११/३/२५ को पेश हो</p>	
	११/३/२५	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील उमर पत्र ३७० अर्थात् १, ३, ५, ६ अर्थात् ४-नका वरुण वरुण माना जा रहा है। गरीब लोकर २-पत्रावली १ लेखित ३७० वही। मन्त्र! अर्थात् १०० १, ३, ५, ६ के विरुद्ध १७० वरुण का वकील (१६) ने लखी जा रही है। वकील अर्थात् १०० २, ५ न पत्रावली न इतर लीची वरुण की। वकील उमर पत्र की वरुण ३७०। पत्रावली वास्तु मादरु है। दिनांक १९/३/२५ को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;"> उप खण्ड अधिकारी जयपुराजमगर</p>	
	१९/३/२५	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील उमर पत्र ३७०। पत्रावली मादरु ने भी व्याख्यात है। पत्रावली का अर्थव्यक्ति किन्तु अर्थ वरुण वकील उमर पत्र की वरुण का पत्रावली किन्तु अर्थ पत्रावली के संबंध में गुरु प्रार्थना पत्र को स्वीकार किन्तु अर्थ निर्णय किन्तु अर्थ-३७० है। मन्त्र! अर्थ इतर (१७०) प्रार्थना पत्र को मन्त्र मानने का कोई भी अधिकारी नहीं है। मन्त्र!</p>	

